Class Notes for students of B.A. Geography Hons. part – II, Paper – III, Unit – V

बिहार के कृषि प्रदेश
Agricultural Region of Bihar

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल

गतांक से आगे.....

3. **चावल-गेहूं-मसूर प्रदेश:** इस कृषि प्रदेश में बिहार की कुल जिला आवृत्तियों का 11.1% सम्मिलित है । धान और गेहूं के प्रधानता के साथ मसूर का साहचर्य इस प्रदेश की पृथक पहचान बनाता है । गंगा के दक्षिण टाल क्षेत्र की उपस्थिति इस प्रदेश की विशिष्टता को परिभाषित करती है । धान और गेहूं सिंचाई समर्थित है जबकि मसूर की खेती धान खेसारी साहचर्य की तरह भी की जाती है । दक्षिण बिहार का पर्याप्त मध्य क्षेत्र इस कृषि प्रदेश के अंदर आता है ।

4. **चावल-गेहूं-मूंग प्रदेश:** इस प्रदेश में बिहार की कुल जिलों का 8.3% शामिल होता है । उत्तर बिहार में दरभंगा, मधुबनी, सुपौल जिला अंतर्गत अवस्थित इस प्रदेश के फसल में धान, गेहूं एवं मूंग की प्रथम, द्वितीय, व तृतीय प्राथमिकता है । कृषि उत्पादन में अन्य फसलों में दूसरे दलहन, दरभंगा और मधुबनी में गन्ना तथा सुपौल में पटसन की खेती की जाती है ।

5. **चावल-गेहूं-गन्ना प्रदेश:** इस प्रदेश में बिहार की कुल जिला आवृत्तियों का 8.3% शामिल है । बिहार के उत्तर पश्चिम खंड में अवस्थित इस प्रदेश की भौतिक परिस्थिति कुछ भिन्न है । इस कृषि प्रदेश में चावल एवं गेहूं खाद्यान्न तथा गन्ना नकदी फसलों के रूप में उगाए जाते हैं । संपूर्ण उत्तर-पश्चिमी बिहार के जिले गन्ने की खेती के लिए महत्व हासिल करते हैं लेकिन गोपालगंज, पश्चिम चंपारण तथा सीतामढ़ी के अलावा अन्यत्र गन्ने की प्राथमिकता तीन फसलों के बाद पाई गई है । धान खरीफ तथा गेहूं रबी की फसल का प्रतिनिधित्व करते हैं । नहर की सिंचाई के कुल गन्ने उत्पादन का लगभग 45% होता है । जौ, मक्का, फल और सब्जी अन्य कृषि उत्पादन है ।

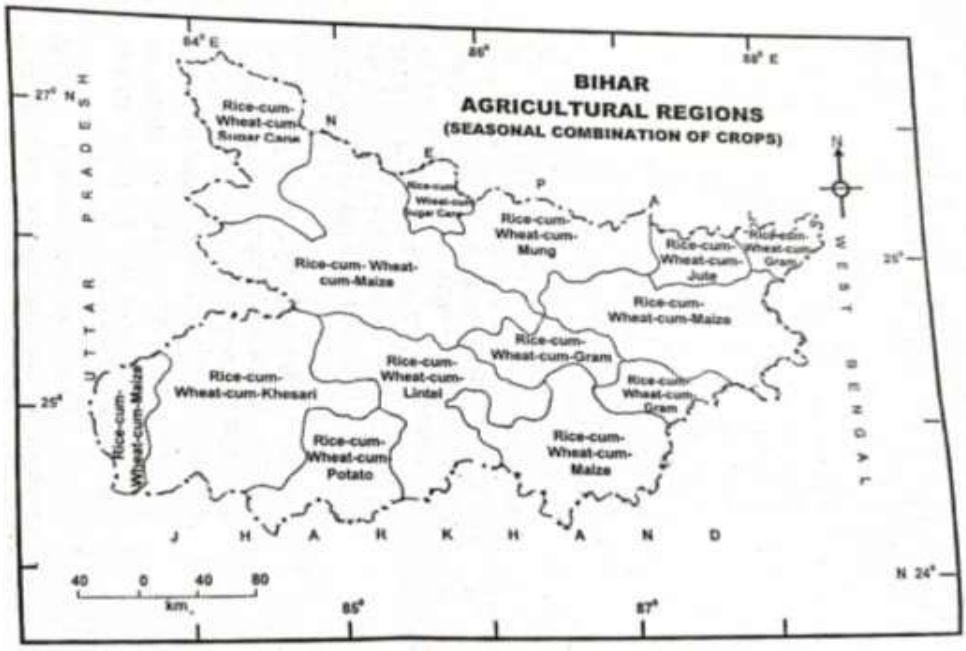

6. - 10: इन कृषि प्रदेशों में से प्रत्येक का योगदान बिहार की कुल जिला आवृत्तियों में लगभग 2.8% का है । कैमूर, गया तथा अररिया कृषि प्रदेश तृतीय फसल के रूप में क्रमश: चना, आलू तथा पटसन की प्राथमिकता सुनिश्चित करते हैं । भागलपुर कृषि प्रदेश दूसरी प्राथमिकता के फसल के रूप में गेहूं की जगह मक्का को स्थान देता है ।

- **कैमूर** में चने की खेती रबी फसल के रूप में स्वतंत्र या गेहूं के साथ मिश्रित तरीके से होती है ।

- **गया** प्रदेश में आलू उत्पादन स्थानीय उपभोग तथा व्यापार के लिए होता है ।

- अधिक वर्षा एवं आर्द्रता का **अररिया** प्रदेश पटसन की कृषि मुद्रादायिनी फसल के रूप में करता है । गेहूं कृषि उत्पादन में वृद्धि सिंचाई सुविधा के विकास से संबंधित है ।

- **भागलपुर** प्रदेश में धान तथा मक्का खरीफ फसल तथा गेहूं रबी फसल के रूप में उगाई जाती है । धान और मक्का मुख्यतः वर्षा पर निर्भर होता है जबकि गेहूं का उत्पादन सिंचाई समर्थित रहता है । इस प्रदेश में दलहन, तिलहन तथा सब्जी और फल अन्य उत्पादन है ।

- **किशनगंज** की प्रादेशिक पहचान दूसरी प्राथमिकता के पटसन की कृषि में बनती है । बिहार का सर्वाधिक पटसन का उत्पादन इसी प्रदेश से होता है । चावल के साथ पटसन की खेती वर्षा पर निर्भर है जबकि गेहूं सिंचित फसल है । फल, सब्जी, मक्का का उत्पादन अन्य फसलों के रूप में होता है ।

11. यह कृषि प्रदेश बिहार की कुल जिला आवृत्तियों का 5.5% का प्रतिनिधित्व करता है । सीमित क्षेत्रीय विस्तार का यह कृषि प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति की विशिष्टता प्रस्तुत करता है । गंगा नदी के निकटतम प्रभाव में बालू प्रधान दोमट मृदा मक्का को कृषि उत्पादन में प्रथम वरीयता प्रदान करता है तथा चावल की प्राथमिकता तृतीय फसल के रूप में पाई जाती है । मक्का भदई तथा गरमा फसल के रूप में तथा चावल अगहनी और गेहूं रबी फसल के रूप में उगाई जाती है । रबी सिंचाई समर्थित है, जिससे गेहूं चावल से ऊपर की प्राथमिकता हासिल करता है । मक्का के बाद चावल की कृषि क्षेत्र में की जाती है । दलहन, तिलहन, चना और जौ का उत्पादन भी होता है ।

इस प्रकार कृषि प्रदेश कृषीय विशेषताओं की प्रादेशिक अभिव्यक्ति की सर्वाधिक प्रभावी दशा है । बिहार राज्य राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उपार्द्र मेखला के मध्य गंगा मैदान कृषि प्रदेश का पूर्वी खण्ड है । अधिकांश विद्वानों ने बिहार को मूलतः चावल कृषि प्रदेश के रूप में पहचान की है । ..समाप्त

.....

सन्दर्भ: बिहार की भौगोलिक समीक्षा, वसुन्धरा प्रकाशन, डॉ नंदेश्वर शर्मा

.....